Scanned by CamScanner

काव्य मंजरी

भाग-12

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA UMROI CANTT.
DATE.....
LIBRARY

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

क्र	शीर्षक	रचयिता का नाम	पृ.सं.
67	विदाई गीत	डॉ० आर.सी.पोद्दार	95
68	मैंने जीना सीख लिया है	रंजना त्रिपाठी	97
69	धिक्कार तुझे आतंकी	डॉ. संतोष कुमार गुर्जर	99
70	तुम हो तो ही तक्षशिला है	मल्लिका शेषाद्रि	101
71	छात्र–अभिलाषा	अमित दवे	102
72	पेड़ के गिरने पर	डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा	103
73	झुको मूल की ओर	संतलाल करुण	105
74	दो बात उस खास से	घनश्याम बादल	106
75	पहाड़	मुकुल नौटियाल	107
76	कलाम को सलाम	उमाशंकर पंवार	108
77	विद्यार्थी जीवन	सुरेश्वर मध्देशिया	109
78	के.वि. तेहरान शिक्षा का दर्पण	बृजेश कुमार	110
79	प्रेरणा के शब्द	लिली सिंह	112
80	एक कदम बढ़ा मानव अस्तित्व	डॉ. दिवाकर सिंह	113
81	ज़िन्दगी	भारतेन्दु पाण्डेय	114
82	प्रकृति क्या कहती है?	जी. वसुन्धरी	115
83	एक गुरु के अहसास	जागृति गुप्ता	117
84	चुनौती	अमित कुमार	118
85	मत टकराना अंगारों से	हंसनाथ यादव	119
86	जीवन बनता जाता भार	उषा कांत उपाध्याय	121
87	विदाई के पल	बृजेश कुमार पाल	123
88	श्रद्धांजलि : अब्दुल कलाम	रविता पाठक	124
89	संभावना	अदिता सक्सेना	126

Scanned by CamScanner

79
प्रेरणा के शब्द

उत्साह छोड़ कर जब मानव,
पथ से भी भ्रमित हो जाता है।
मन विचलित होता है उसका
कुछ समझ नहीं वो पाता है।
जीवन से हारकर सबसे वह,
मुख मोड़ अलग हो जाता है।
दो शब्द प्रेरणा के तेरे,
उत्साह उसे दे जाता है।
प्रेरक शब्दों से प्रेरित कर,
तू प्रेरणा स्रोत बन है मानव।
नव दिशा दिखा कर तू जग को,
कर्तव्य निभा अपना मानव।
प्रेरक शब्दों में शक्ति वो,
जो जागृत करता है मन को,
नव ऊर्जा भर कर हृदय में वो,
झंकृत कर देता तन मन को।
नव चेतना पाकर मानव फिर,
उत्साह नई ले आता है,
सक्षम पाता है स्वयं को फिर,
नव जोश से कदम बढाता है।

लिली सिंह
प्राथमिक शिक्षिका
केंद्रीय विद्यालय, पश्चिम विहार, दिल्ली

Scanned by CamScanner